छत्तीसगढ़ में दो नये अभियान की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

1 जनवरी, 2022 को छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दो नए अभियान शुरू किये। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इन दोनों अभियानों का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला मुख्यालय अंबिकापुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम से दोनों मंत्रियों ने वर्चुअल कार्यक्रम से जुड़ कर बच्चों के पठन और गणितीय कौशल विकास के लिये सौ दिवसीय अभियान तथा शाला त्यागी बच्चों के लिये व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम-स्किल हब एनशिएटिव कार्यक्रम की शुरुआत की।
- स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने दोनों योजनाओं के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि कोरोना के कारण स्कूल बंद रहने से बच्चों के लर्निंग लॉस को कम करने के लिये राज्य व्यापी सौ दिनों का पठन एवं गणितीय कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है।
- इस सौ दिवसीय कार्यक्रम को तीन स्तरों के लिये तैयार किया गया है। पहला स्तर आंगनबाड़ी से कक्षा दूसरी तक के बच्चे, दूसरे स्तर में कक्षा तीसरी से पाँचवीं तक और तीसरे स्तर में कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों को शामिल किया गया है।
- यह कार्यक्रम 14 सप्ताहों में विभाजित है। प्रत्येक सप्ताह के लिये भाषा और गणित में अलग-अलग थीम साझा की जाएगी। इस थीम को बहुत अच्छे से कक्षा के सभी बच्चों में पूरे सप्ताह अभ्यास करवाते हुए उन्हें अनिवार्यत: दक्ष बनाए जाने के लिये सभी आवश्यक प्रयास शिक्षकों द्वारा किये जाएंगे।
- कक्षा के भीतर और बाहर समुदाय के सहयोग से सप्ताह के लिये निर्धारित सामग्री का अभ्यास कराया जाएगा।
- मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिये स्किल हब इनशिएटिव कार्यक्रम राज्य में पहली बार विद्यालय स्तर पर समग्र शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा पर आधारित कौशल केंद्र की पहल की जा रही है।
- इसके अंतर्गत राज्य में कुल 86 विद्यालयों का चयन भारत शासन द्वारा किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश के 17 ज़िलों के 18 विद्यालयों का चयन किया गया है।
- कौशल केंद्र के माध्यम से 15 से 29 आयु वर्ग के शाला छोड़ने वाले विद्यार्थियों को उपलब्ध व्यावसायिक कोर्स पर कौशल प्रशिक्षण प्रदाय किया जाएगा, ताकि उनकी क्षमता का विकास हो सके और वे भविष्य में इन सीखे हुए कौशल का उपयोग जीविकोपार्जन या अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में कर सकें। इसके साथ ही कौशल केंद्र के माध्यम से शिक्षा से बाहर रहने वाले विद्यार्थियों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य भी हो सकेगा।
- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय से अधिकतम 40 विद्यार्थियों का एक बैच होगा। प्रशिक्षण से सर्टिफिकेशन कार्यक्रम की कुल अवधि 6 माह होगी। प्रशिक्षण प्रत्येक दिवस विद्यालय अवधि के बाद लगभग दो घंटे और साप्ताहिक अवकाश में संचालित किया जाएगा।
- स्किल हब इनशिएटिव कार्यक्रम स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिये रोज़गारोन्मुखी प्रशिक्षण देने के लिये संचालित किया जा रहा है। इसमें आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को भी जोड़ा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-new-campaigns-started-in-chhattisgarh